3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए : **4×5=20**

(क) 'कबीरदास कवि होने से पहले एक सच्चे समाज सुधारक थे ।' इस कथन के आलोक में कबीरदास की सामाजिक चेतना स्पष्ट कीजिए ।

(ख) सूरदास की वात्सल्य भावना का वर्णन कीजिए।

(ग) तुलसीदास की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिए।

(घ) मीराबाई की प्रेम-साधना की विवेचना कीजिए।

(ङ) बिहारी की शृंगार-भावना पर संक्षिप्त लेख लिखिए ।

(च) रैदास का साहित्यिक परिचय संक्षेप में लिखिए।

(छ) 'घनानन्द प्रेम की पीर के कवि हैं' - इस कथन के आलोक में घनानन्द की प्रेमानुभूति की संक्षिप्त विवेचना कीजिए ।

4. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है : **8×1=8**

(क) बीजक के कितने भाग हैं ?

(ख) 'सूरसागर' किसके द्वारा लिखित ग्रन्थ है ?

No. of Printed Pages : 05 **Roll No. .....**

34211

B.A. (NEP-2020) EXAMINATION, 2025

(Second Semester)

B23-HIN-201

मध्यकालीन हिन्दी कविता

Time : 3 *Hours*] [*Maximum Marks :* 70

Before answering the question-paper candidates should ensure that they have been supplied to correct and complete question-paper. No complaint, in this regard, will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **2×6=12**

(क) साधो, सो सतगुरु मोंहि भावै ।

सन्त प्रेम का भर भर प्याला, आप पिवै मोहि पियावै ।

परदा दूर करै आँखिन का, ब्रह्म दरस दिखलावै।
जिस दरसन में सब लोक दरसै, अनहद सबद सुनावै ।
एकहि सब सुख-दु:ख दिखलावै, सब्द में सुरत समावै ।
कहैं कबीर ताको भय नाहीं, निर्भय पद परसावै।

(ख) गोकुल सबै गोपाल उपासी ।
जोग अंग साधत जे ऊधो सब बसत ईसपुर कासी ।।
यद्यपि हरि हम तजि अनाथ करि तदपि रहति चरननि रसरासी ।
अपनी शीतलताहि न छाँड़त यद्यपि है ससि राहु गरासी ।।
का अपराध जोग लिखि पठवत प्रेमभजन तजि करत उदासी ।
सूरदास ऐसी को विरहिन माँगति मुक्ति तजे गुनरासी ?

(ग) जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ।
काको नाम पतित-पावन जग, केहि अति दीन पियारे ।।

कौन देव बराइ बिरद-हित हठि-हठि अधम उधारे ।
खग, मृग, व्याध, पषाण विटप जड़, जवन कवन सुर तारे ।।
देव, दनुज, मुनि, नाग, मनुज सब माया-विवस विचारे ।
जिनके हाथ दास तुलसी प्रभु, कहा अपनपौ हारे ।।

(घ) कब को टेरतु दीन रट, होत न स्याम सहाई।
तुमहूँ लागी जगत-गुरु, जग-नाइक, जग बाई ।।

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3×10=30**

(क) कबीरदास की साहित्यिक विशेषताएँ बताइए ।
(ख) सूरदास की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए।
(ग) तुलसीदास की सामाजिक चेतना पर अपने विचार लिखिए ।
(घ) मीराबाई की भक्ति भावना की विवेचना कीजिए।
(ङ) बिहारी की भाषा-शैली की विशेषताएँ बताइए।
(च) घनानन्द के विरह-वर्णन में स्वाभाविकता है । स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है ?

(घ) मीराबाई को मारने के लिए राणा ने क्या किया था ?

(ङ) 'बिहारी सतसई' किसकी रचना है ?

(च) 'रामचरितमानस' किस भाषा में रचित ग्रन्थ है ?

(छ) संत कवि रैदास ने 'माटी का पुतला' किसे बताया है ?

(ज) घनानन्द का किस युवती से प्रेम था ?

❖❖❖❖❖❖❖

(ग) 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है ?

(घ) मीराबाई को मारने के लिए राणा ने क्या किया था ?

(ङ) 'बिहारी सतसई' किसकी रचना है ?

(च) 'रामचरितमानस' किस भाषा में रचित ग्रन्थ है ?

(छ) संत कवि रैदास ने 'माटी का पुतला' किसे बताया है ?

(ज) घनानन्द का किस युवती से प्रेम था ?

❖❖❖❖❖❖❖